'विश्वास के दो दशक' शृंखला की नौवीं पुस्तक

जहां देवता सोते हैं

श्यामसुंदर दुबे

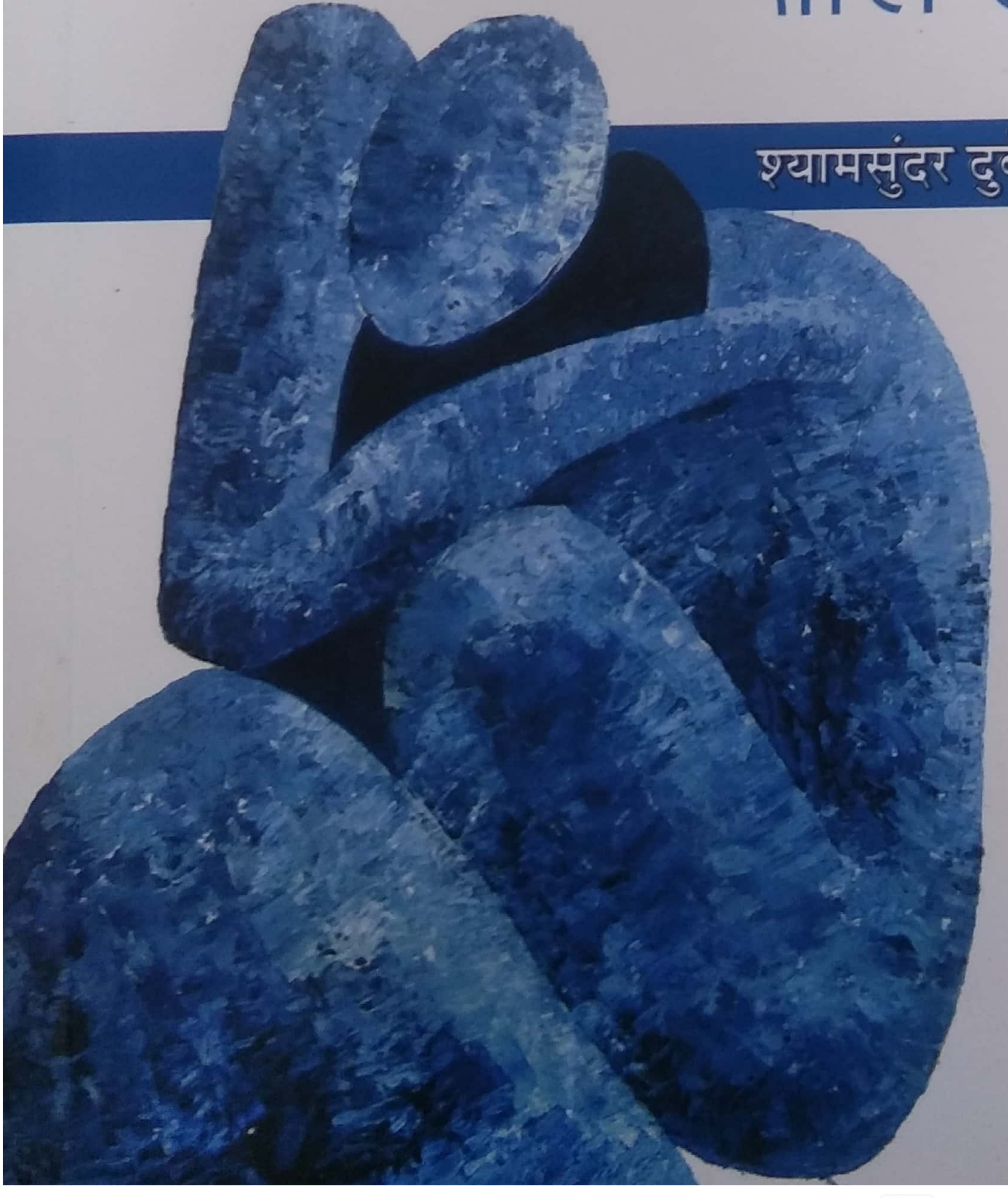

Scanned with OKEN Scanner

जहां देवता सोते हैं

(ललित निबंध)

श्यामसुंदर दुबे

बोधि

साहित्य जन-जन के लिए

Scanned with OKEN Scanner

आपके स्नेह और विश्वास के 20 साल

'विश्वास के दो दशक' शृंखला की नौवीं पुस्तक

जहां देवता सोते हैं

बोधि प्रकाशन
एफ-77, सेक्टर 9, रोड नं. 11,
करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, बाईस गोदाम, जयपुर-302006
दूरभाष : 0141-2503989, 98290-18087
ई-मेल : bodhiprakashan@gmail.com

कॉपीराइट © श्यामसुंदर दुबे

प्रथम संस्करण : मई, 2017

ISBN : 978-93-86470-37-9

कम्प्यूटर ग्राफिक्स : बनवारी कुमावत 'राज'

आवरण संयोजन : तरु टीम

मुद्रक
तरु ऑफसेट, जयपुर # 09829018087

मूल्य : ₹ 120/-

JAHAN DEVTA SOTE HAIN (Essay) by Shyamsundar Dubey

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

जहां देवता सोते हैं	7
गठरी में लागा चोर	14
स्टेशन पर दिखी रामखिलावन की खंजड़ी	21
एक था बचपन	28
दीया तो जलाना ही पड़ेगा	34
लोक स्मृति में एक राजा	41
आकाश की पंचायत और वर्षा-विचार	45
अंत में एक नाव	53
एक प्रार्थना प्रकाश के लिए	60
चट्टान के भीतर उड़ती चिड़िया	68
सखि! वे मुझसे कह कर जाते	74
सुरमई बादलों की शाम का अकेलापन	78
भर देहु गगरिया गिरधारी	85
अलक्ष्मी का बिदाई गीत	91
विंध्य और सतपुड़ा का लोक अंतरीप	98
धागों के रंग	102
दीवाली का दीप पाहुना	108

Scanned with OKEN Scanner

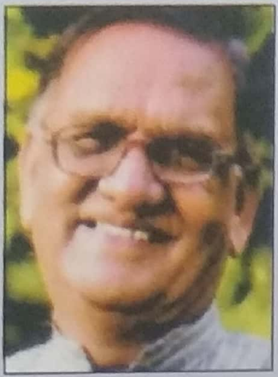

श्यामसुंदर दुबे

जन्म : 12 दिसम्बर 1944, बर्तलाई (हटा) दमोह (म.प्र.)

शिक्षा : एम.ए., पी-एच.डी.

सेवाएं : उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्यापन तथा प्राचार्य स्नातकोत्तर से सेवानिवृत्त।

विभिन्न विधाओं में लगभग पचास पुस्तकों का प्रकाशन-

ललित निबंध : कालमृगया, विषाद बांसुरी की टेर, कोई खिड़की इसी दीवार से, नेह के नेग, आलोक अनवरत, काल:क्रीडति, राम रंग-रस भीजी चुनरिया, आदि। ***काव्य :*** रीते खेत में बिजूका, ऋतुएं जो आदमी के भीतर हैं, इतने करीब से देखो, सुख-दुख की कमीज़ (नवगीत), धरती के अनंत चक्करों में, पृथ्वी का प्रथम स्नान (कविता)। ***लोक :*** बुंदेलखंड की लोककथाएं, लोक : पहचान, परम्परा एवं प्रवाह, लोक चित्रकला : परम्परा और रचना-दृष्टि, लोक : मानव मूल्य और मीडिया, लोक में जल, भारत की नदियां, लोक का साहित्य : साहित्य का लोक। ***कथा :*** दाख़िल-ख़ारिज़, सोनफूला (उपन्यास), जड़ों की ओर (कहानी संकलन)। ***समीक्षा :*** बिहारी सतसई का सांस्कृतिक अध्ययन, संस्कृति, समाज और संवेदना, साहित्य का सामाजिक पक्ष, लोक समाज की कथा-संवेदना, महाकवि सूरदास की लोक-दृष्टि, नाम बिन चीन्हे। ***शिक्षा :*** खेल-खेल में पढ़ना-लिखना। ***संपादन :*** लोक-राम-कथा, डॉ. लक्ष्मीप्रसाद मिस्त्री 'रमा' : संवेदना एवं शिल्प।

पुरस्कार-सम्मान : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान का सुब्रह्मण्यम भारती पुरस्कार, म.प्र. साहित्य अकादमी के बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', आचार्य नंददुलारे वाजपेयी एवं ईसुरी पुरस्कार, विद्याश्री न्यास वाराणसी का आचार्य विद्यानिवास मिश्र पुरस्कार, श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति इंदौर का शताब्दी सम्मान, डॉ. शंभूनाथ सिंह नवगीत पुरस्कार आदि।

कई विश्वविद्यालयों से डॉ. दुबे के कृतित्व पर पी-एच.डी.।

संप्रति : निदेशक, मुक्तिबोध सृजन पीठ, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय वि.वि., सागर (म.प्र.)

संपर्क : श्री चंडी जी वार्ड, हटा (दमोह)-470775 (मध्य प्रदेश)
मो. : 9425405939

बोधि
साहित्य जन-जन के लिए
बोधि जन-संस्करण
आवरण चित्र : कुँअर रवीन्द्र # 094255-22569
₹ 120.00
ISBN : 978-93-86470-37-9
9 789386 470379
आपके स्नेह और विश्वास के 5 साल

Scanned with OKEN Scanner